कूट :

(a) 1 और 4 (b) 2 और 3
(c) 2 और 4 (d) केवल 4

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (c) सीकर – अर्धचंद्राकार
जैसलमेर – सप्तबहुभुजाकार
जोधपुर – मयूर आकार
करौली – बतखाकार

230. राजस्थान के भौतिक प्रदेशों के संबंध में निम्नलिखित कथनों का परीक्षण कीजिए तथा नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

1. राज्य के 61.11 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पश्चिमी रेतीले मैदान का विस्तार है।
2. राज्य के 9.60 प्रतिशत भू-क्षेत्र में अरावली पर्वतीय प्रदेश का विस्तार है।
3. राज्य के 23.03 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पूर्वी मैदान का विस्तार है।
4. राज्य के 6.37 प्रतिशत भू-क्षेत्र में दक्षिण -पूर्वी पठारी प्रदेश का विस्तार है।

कूट :

(a) 1 और 3 (b) 3 और 4
(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (d) पश्चिमी रेतीले मैदान- भारत की पश्चिमी सीमा से लेकर मध्य राजस्थान में अरावली तक राजस्थान के पश्चिमी भाग में विस्तृत है। यह राज्य के 12 जिलों में 61.11% भाग पर फैला है।
अरावली पर्वत- राजस्थान के मध्य भाग में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर पूर्व दिशा में राज्य के 9.60% भाग पर अरावली पर्वतमाला विस्तृत है।
पूर्वी मैदान-राजस्थान का पूर्वी मैदान भाग चंबल, बनास बाणगंगा व उनकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित है जो विस्तृत रूप में गंगा के मैदान का ही प्रवाह है। यह मैदान राज्य के 23.03% भाग पर फैला है।
दक्षिणी-पूर्वी पठार- राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी भाग को प्राचीन काल में हाड़ा वंशी शासकों का क्षेत्र होने के कारण हड़ौत का पठार भी कहा जाता है। राज्य के लगभग 70% भाग में फैला है।

231. राजस्थान का पूर्वी मैदानी भाग राजस्थान राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग प्रतिशत धारित करता है-

(a) 61.2% (b) 23%
(c) 09% (d) 33%

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

232. पश्चिमी राजस्थान के रेतीले मैदान का कितना प्रतिशत क्षेत्र बालुका स्तूप मुक्त है-

(a) 61.11 (b) 14.7
(c) 41.5 (d) 18.6

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (c) पश्चिमी राजस्थान के रेतीले मैदान का लगभग 41.5% क्षेत्र बालुका स्तूप मुक्त है। इसमें जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधरपुर एवं चुरू जिलों के पश्चिमी भाग सम्मिलित हैं। इन प्रदेशों में सर्वत्र बालुका स्तूपों का विस्तार है। पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर जिले में सेवण घास के मैदान पाए जाते हैं।

233. पश्चिमी राजस्थान में रेत की टीलों से कितना क्षेत्र मुक्त है?

(a) 28.5% (b) 41.5%
(c) 18.6% (d) इनमें से कोई नहीं

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

234. राजस्थान में मरुस्थलीकरण का मानवजनित कारण नहीं है-

(a) जनसंख्या दबाव
(b) भूमि-उपयोग में परिवर्तन
(c) अतिचारण
(d) प्रौद्योगिकी विकास

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

Ans. (d) दिए गए विकल्पों में राजस्थान में मरुस्थलीकरण के मानव जनित कारणों में प्रौद्योगिकी विकास शामिल नहीं है।

235. राजस्थान के थार मरुस्थल में दृषद्वती नदी की घाटी में किस प्रकार के बालु के स्तूप चिह्नित होते हैं?

(a) रेखीय या पवनानुवर्ती बालु का स्तूप
(b) बरखान बालु का स्तूप
(c) पेराबोलिक बालु का स्तूप
(d) तारा बालु का स्तूप

LDC Exam 12.08.2018

Ans. (a) राजस्थान के थार मरूस्थल में दृषद्वती नदी की घाटी में रेखीय या पवनानुवर्ती बालू के स्तूप चिह्नित होते हैं। ये क्षेत्र वायु अपरदन एवं निक्षेपण का परिणाम है। इन स्तूपों पर जैसलमेर, जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों में वनस्पति पायी जाती है।

236. निम्नांकित में से कौनसा बालुका स्तूप मन्द पवनामुखी ढाल व तीव्र पवनाविमुखी ढाल व तीव्र पवनाविमुखी ढाल वाला होता है?

(a) अनुदैर्ध्य (b) अनुप्रस्थ
(c) बरखान (d) नेबखा

LDC Exam 09.09.2018

Ans. (c) बरखान स्तूप रेत के टीले होते हैं जिनकी आकृति अर्द्धचन्द्राकार होती है। बरखान स्तूप ऐसे रेगिस्तान में पाये जाते हैं जहाँ पर पवन एक ही दिशा में प्रवाहित होते हैं। बरखान स्तूप का पवनानुमुखी ढाल मंद और उत्तल होता है तथा पवनाविमुखी ढाल तीव्र होता है।

237. राजस्थान में उत्खात भूमि स्थलाकृति दिखाई देती है-

(a) कोटा और बूँदी में
(b) जैसलमेर और बाड़मेर में
(c) गंगानगर और हनुमानगढ़ में
(d) सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर में

कृषि पर्यवेक्षक -2021

Ans. (d) उत्खात भूमि स्थलाकृतिः- अर्द्धशुष्क प्रदेशों में स्थित असमान धरातल वाली उच्चभूमि जिस पर अकास्मिक तीव्र वर्षा हो जाने से गहरी-गहरी अवनलिकाओं की पंक्तिया बन जाती है और सम्पूर्ण भूमि ऊबड़-खाबड़ हो जाती है। इस प्रकार की भूमि में सामान्य रूप से गंभीर खड्ड एवं अवनलिकाएँ बन जाती है इसे उत्खात भूमि स्थलाकृत कहा जाता है। राजस्थान के धौलपुर, सवाई माधोपुर और करौली में चम्बल नदी के सहारे का क्षेत्र अत्यधिक कटाव से बीहड़ के रूप में हैं राजस्थान में उत्खात भूमि स्थलाकृति इन्ही क्षेत्रों में दिखाई देती है।